



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

SECRETAR  
15 Oct 1980  
INDIA

### असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

#### PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

बॉ 295]

नई विल्ली, बूम्हस्पतिवार, सितम्बर 25, 1980/ आश्विन 3, 1902

No. 295]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 25, 1980/ASVINA 3, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जारी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### संचार मंत्रालय

(इकाइ तार बोर्ड)

नई विल्ली, 10 सितम्बर, 1980

मांकान्दि 549 (अ),—केन्द्रीय सरकार, भारतीय नार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शर्कितों का प्रयोग करने हुए, भारतीय नार नियम, 1951 का और संसाधन करने के नियम निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का मार्केज नाम भारतीय नार (पांचवा संपोषण) नियम, 1980 है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय नार नियम, 1951 में—

(1) नियम 2 में, “मन्देश्वारक सेवा” पद की परिभाषा से सम्बन्धित खण्ड (खण्ड) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तर्भूति किया जाएगा, अर्थात्—

“(खण्डक) प्रभारी तत्काल मेवा से त्रिंशि दो ग्रामों के बीच स्थापित हस्ताक्षालित द्रुक टेम्पोफोन मेवा अस्तित्व है जहाँ प्रभारी काल करने वाले अभिदाता के टेम्पोफोन मीटिंग पर स्वतं अंकित हो जाती है जिसके अन्तर्गत द्रुक काल टिकट तंत्यार करना नहीं है।”

(2) नियम 451 में—

(क) खण्ड (क) के नींवे की सारणी को उम्मीदी सारणी 2 के रूप में संश्योक्त किया जाएगा और इस प्रवार मध्यांकित सारणी 1 के पश्चात् निम्नलिखित सारणी अन्तर्गत स्थापित की जाएगी, अर्थात्—

सारणी 2

प्रभारी तत्काल सेवा

किन्हीं दो नाम्बरों या किन्हीं दो लम्बी दूरी के बीच गण अभिदाता के प्रभारी केन्द्रों के बीच की दूरी के बीच गण अभिदाता के उन्नर देने पर प्रथम स्वतं दूरी के पश्चात् सम्बद्धों की अवधिक गणी सेकेण्डों में दिन के समय खण्ड (ग) में उल्लिखित

रियायती समय

अवधिया

20 किमी० तक	36	36
20 किमी० से अधिक 50 किमी० तक	18	18
50 किमी० से अधिक 100 किमी० तक	8	12
100 किमी० से अधिक 200 किमी० तक	6	8
200 किमी० से अधिक 500 किमी० तक	4	6
500 किमी० से अधिक 1000 किमी० तक	3	4
1000 किमी० से अधिक	2	3

(ख) खण्ड (ख) में सारणी के पश्चात् निम्नलिखित सत्त्व स्थापित किया जाएगा, अथवा—

“टिप्पण: भारणी 1 के प्रथम सेवा में और खण्ड (क) को सारणी 2 की सभी स्वेच्छाओं में भावें वाले तार केन्द्रों के बीच हस्ताक्षालित द्रुक कालों पर विशिष्ट अंकितों, नियत समय और नियत अभिदाता वाले नियत समय-कालों का सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।”

[सं 3/41/80/आर]

एस० के० धोष, मंत्रान्वितका०  
दाक नार और सचिव (संचार)

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P &amp; T Board)

New Delhi, the 10th September, 1980

**G.S.R. 549(E).**—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Fifth amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force immediately.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951,—

(1) in rule 2, after clause (bb) relating to the definition of the expression "Messenger Service", the following clause shall be inserted namely :—

"(bba) metered demand service means "Manual Trunk telephone service" established between stations where the charging is effected automatically on the calling subscribers telephone meter not involving preparation of trunk call tickets."

(2) in rule 451—

(a) The table below Section (a) shall be numbered as Table-I thereof and after Table-I as so numbered the following Table shall be inserted, namely:—

Table-II  
Metered Demand Service

Radial distance between any two exchanges or between any two long distance charging centres.	Periods During day	During periods Section(s)
Upto 20 Kms.	36	
Exceeding 20 Kms. upto 50 Kms.	18	
Exceeding 50 Kms. upto 100 Kms.	8	
Exceeding 100 Kms. upto 200 Kms.	6	
Exceeding 200 Kms. upto 500 Kms.	4	
Exceeding 500 Kms. upto 1000 Kms.	3	4
Exceeding 1000 Kms.	2	3

(b) in section (d) after the table, the following Note inserted, namely:—

"Note : Particular person, Fixed time and Subs Fixed time call facilities shall not be avail. trunk calls manually established between ex. following in the first slab of Table I and all s. Table II in Section (a)".

[No. 3/41/  
S. K. GHOSE, Director Ge.  
P & T. and Secretary (Communicati